

जयपत्र पुं. (तत्.) विजय पत्र।

जय पत्री स्त्री. (तद्.) जावित्री।

जय पराजय स्त्री. (तत्.) जीत-हार।

जयपाल पुं. (तत्.) 1. जमालगोटा 2. विष्णु 3. ब्रह्मा का एक नाम।

जय प्रिय पुं. (तत्.) राजा विराट के भाई का नाम 2. ताल का मुख्य भेद।

जयफर पुं. (तद्.) दे. जायफल।

जयभेरी स्त्री. (तत्.) विजय डंका, जीत का नगाड़ा।

जय मंगल पुं. (तद्.) राजा के सवार होने योग्य हाथी 2. ताल का एक भेद।

जयमार स्त्री. (तद्.) जयमाला।

जयमाल स्त्री. (तद्.) जयमाला 2. विजयी को पहनाई जाने वाली माला।

जय यज्ञ पुं. (तत्.) अश्वमेध यज्ञ।

जय लक्ष्मी स्त्री. (तत्.) दे. जयश्री।

जय वाहिनी स्त्री. (तत्.) 1. विजय करने वाली सेना 2. इंद्राणी, शची।

जय श्री स्त्री. (तत्.) विजयलक्ष्मी 2. विजय, जीत 3. एक ताल का नाम।

जय स्तंभ पुं. (तत्.) विजय स्तंभ

जय स्वामी पुं. (तद्.) शिव का एक नाम 2. छांदोग्य सूत्र व आश्वलायन ब्राह्मण के व्याख्याकार।

जयशाली वि. (तत्.) जैसलमेर के संस्थापक यादव वंशी राजा का नाम।

जया स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा का नाम 2. पार्वती का एक नाम 3. दूब 4. हरड़ 5. पताका, ध्वजा 6. दोनों पक्षों की तृतीय, अष्टमी और त्रयोदशी की तिथियाँ 7. जया का फूल, अड़हुल का फूल।

जयाजय पुं. (तत्.) जय और पराजय, हारजीत।

जयावह वि. (तत्.) जीत प्राप्त करने वाला।

जयावहा स्त्री. (तत्.) भद्रदंती का पेड़।

जयाश्रया स्त्री. (तत्.) जरड़ी घास।

जयिष्णु वि. (तत्.) जयशील, जो हमेशा जीतता हो।

जयी वि. (तत्.) विजयी, जयशील।

जयेत पुं. (तत्.) एक राग का नाम जो पूरिया और कल्याण के योग से बनता है।

जयेती स्त्री. (तत्.) एक रागिनी जो गौरी, जय श्री के योग से बनती है।

जयेद गौरी स्त्री. (देश.) एक रागिनी का नाम जो जयंत और गौरी के योग से बनती है।

जय्य वि. (तत्.) जीतने योग्य।

जरंड वि. (तत्.) 1. वृद्ध 2. क्षीण 3. पुराना।

जरंत पुं. (तद्.) वृद्ध व्यक्ति, बूढ़ा आदमी।

जर पुं. (तत्.) 1. बुढ़ापा, वृद्धावस्था, क्षय होने वाला 2. क्षीण, पुराना, वृद्ध 3. क्षीण करने वाला।

जरई स्त्री. (तद्.) धान आदि के अंकुरित बीज।

जरकटी पुं. (देश.) एक शिकारी पक्षी।

जरकस वि. (फा.) सोना, स्वर्ण 2. धन-दौलत, रुपया।

जरकसी वि. (फा.) जिस पर सोने के तार लगे हो।

जर खरीद वि. (फा.) नकद खरीद।

जरगह स्त्री. (फा.) एक घास जिसे जानवर बड़े चाव से खाते हैं।

जरगा स्त्री. (फा.) दे. जरगह।

जरछार वि. (देश.) 1. नष्ट 2. भस्मीभूत।

जरज पुं. (देश.) एक कंद जिसकी तरकारी बनाई जाती है।

जरजर वि. (देश.) दे. जरजर।

जरठ वि. (तत्.) कर्कश, कठोर पुं. बूढ़ा, वृद्ध (व्यक्ति), बुढ़ापा।

जरठाई स्त्री. (तद्.) वृद्धावस्था, जीर्णता।

जरडा स्त्री. (तत्.) एक घास का नाम, जिसे वैद्यक में रक्त रोधक, मधुर, शीतल और रुचिकर माना